सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु,
सिद्धार्थनगर पिन–272202
Website: www.suksn.edu.in

Siddharth University Kapilvastu,
Siddharthnagar Pin – 272202
Email Id: registrar@suksn.edu.in

पत्रांक 346 / सा0प्र0 / सि0वि0वि0 / 2025 दिनांक 15 / 07 / 2025

सेवा में,

1. अधिष्ठाता छात्र कल्याण
   सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु,
   सिद्धार्थनगर।
2. समस्त प्राचार्य / प्राचार्या
   सम्बद्ध सिद्धार्थ विश्वविद्यालय,
   कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।

विषय– प्रदेश में दिनांक 16 से 22 जुलाई, 2025 तक "भूजल सप्ताह" का आयोजन किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय / महोदया,

उपर्युक्त विषयक मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन के पत्र संख्या–647 / 76–3–2025–830 / 98 दिनांक 04 / 07 / 2025 का सन्दर्भ का ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसे क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी गोरखपुर के द्वारा पत्रांकित (पू0सं0क्षे0कार्या0गो0 / सूचना / 1170 / 2025–26 दिनांक 10.07.2025) कर प्रेषित किया गया है। जिसके माध्यम से **दिनांक 16 जुलाई से 22 जुलाई, 2025 तक** भूजल सप्ताह का आयोजन किये जाने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया है।

तद्क्रम में आप सभी को निर्देशित किया जाता है कि अपने–अपने महाविद्यालयों / संस्थानों में संलग्न पत्र में दिये गये दिशा–निर्देशो अनुसार **दिनांक 16 जुलाई से 22 जुलाई, 2025** तक भूजल सप्ताह का आयोजन **"जल सुरक्षित तो कल सुरक्षित"** मुख्य विचार के साथ कराने का कष्ट करें।

संलग्नक–यथोक्त।

कुलसचिव
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु
सिद्धार्थनगर।

पत्रांक एवं दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. अधिष्ठाता, कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय सि0वि0वि0, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
2. कुलानुशासक, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
3. जनसम्पर्क अधिकारी, सि0वि0वि0 कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
4. निजी सचिव, कुलपति, मा0 कुलपति जी के अवलोकनार्थ।
5. प्रभारी कोडिंग, सि0वि0वि0 कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।
6. सम्बन्धित पत्रावली में संरक्षित हेतु।

कुलसचिव

संख्या-647/76-3-2025-830/98

मनोज कुमार सिंह,
मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1. समस्त अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव,
   उत्तर प्रदेश शासन।
2. समस्त विभागाध्यक्ष,
   उत्तर प्रदेश।
3. समस्त मण्डलायुक्त,
   उत्तर प्रदेश।
4. समस्त जिलाधिकारी,
   उत्तर प्रदेश।

07.07.2025

नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति अनुभाग-3 लखनऊ: दिनांक: 04 |7| 2025

विषय: प्रदेश में दिनांक 16 से 22 जुलाई, 2025 तक "भूजल सप्ताह" का आयोजन किया जाना।

महोदय,

आप अवगत हैं कि जल जीवन का मूलभूत आधार है, जिसके बिना किसी जीव या वनस्पति का अस्तित्व संभव नहीं है। वायु के बाद जल ही जीवन रक्षा के लिए सबसे आवश्यक तत्व है। समय के साथ बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण और औद्योगिकीकरण के कारण विगत वर्षों में जल की मांग में अत्यधिक वृद्धि हुई है। प्रदेश में 70 प्रतिशत सिंचाई भूजल संसाधनों पर निर्भर है, जबकि पेयजल सेक्टर की लगभग 80 प्रतिशत और औद्योगिक क्षेत्र की लगभग 85 प्रतिशत आवश्यकताओं की पूर्ति भी भूजल स्रोतों से ही की जाती है। विशेष रूप से सिंचाई, पेयजल और उद्योगों के भूजल पर अत्यधिक निर्भरता ने कई क्षेत्रों में भूजल के अत्यधिक दोहन (Over-Exploitation) की स्थिति पैदा कर दी है। इससे प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में भूजल स्तर में गिरावट परिलक्षित हुई है। वर्ष 2024 के नवीनतम भूजल संसाधन आंकलन की संस्तुतियों के आधार पर अनुसार वर्तमान में प्रदेश के 50 विकासखण्ड अतिदोहित, 45 विकासखण्ड क्रिटिकल एवम् 165 विकासखण्ड सेमीक्रिटिकल श्रेणी में वर्गीकृत किए गये हैं। वर्ष 2000 में प्रदेश के सुरक्षित विकास खण्डों की संख्या 745 थी जो वर्ष 2024 के आंकलन के अनुसार घटकर 566 हो चुकी है। वहीं जहाँ वर्ष 2000 में प्रदेश के अतिदोहित/क्रिटिकल विकासखण्डों की संख्या मात्र 20 थी, जो अब लगभग पांच गुना बढ़कर वर्तमान आंकलन में 95 पहुँच चुकी है। यह स्थिति विभिन्न आवश्यकताओं के दृष्टिगत भूजल संसाधनों पर दबाव का संकेत है।

2- भूजल का समेकित प्रबंधन एवं नियोजित विकास प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में सम्मिलित है। जहाँ एक ओर भूजल पुनर्भरण हेतु विभिन्न उपक्रम किये जा रहे है, जैसे तालाबों का निर्माण एवं जीर्णोद्धार, चेकडैम का निर्माण तथा सिंचाई में जल दक्ष तकनीकों, जैसे ड्रिप एवं स्प्रिंकलर प्रणाली को प्रोत्साहित किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर विभिन्न क्षेत्रों में अनियंत्रित एवं अविवेकपूर्ण भूजल दोहन को भी प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा रहा है। इस संदर्भ में उत्तर प्रदेश ग्राउंड वाटर (प्रबंधन एवं विनियमन) अधिनियम-2019 को प्रभावी बनाया गया, जो प्रदेश में 2 अक्टूबर 2019 से लागू है। इस अधिनियम के अंतर्गत प्रत्येक जनपद में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला भूजल प्रबंधन परिषद् का गठन किया गया है। यह परिषद् न केवल अनियंत्रित दोहन पर नियंत्रण कर रही है, बल्कि भूजल प्रदूषण की रोकथाम हेतु भी प्रभावी कदम निपमित रूप से उठा रही है। सरकार के इन समन्वित प्रयासों का ही परिणाम है कि विगत 07 वर्षों में न केवल प्रदेश के 34 विकास खण्ड संकटग्रस्त स्थिति से बाहर आये हैं अपितु प्रदेश के 29 जनपदों के औसत भूजल स्तर मे भी सुधार हुआ है। यह प्रगति दर्शाती है कि प्रदेश सरकार द्वारा भूजल संरक्षण की दिशा में की जा रही पहलें सार्थक सिद्ध हो रही है। इन प्रयासो की निरंतरता एवं प्रभावशीलता बनाए रखना आवश्यक है, जिससे भावी पीढ़ियों हेतु भूजल संसाधनों का सतत और सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

3- आप अवगत है कि जल शक्ति अभियान-VI का शुभारम्भ 22 मार्च, 2025 को किया गया है। यह अभियान देश भर के सभी ग्रामीण एवम् शहरी क्षेत्रों मे एक साथ "जल संचयन जन भागीदारी-जन जागरूकता की ओर" थीम के साथ प्रारम्भ किया गया है। अभियान की अवधि 22 मार्च, 2025 से 30 नवम्बर, 2025 तक निर्धारित किया गया है। अभियान का उद्देश्य मानसून के प्रारम्भ से पहले कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण, वर्तमान तालाबों और जल निकायो को पुनर्जीवित करने, नए जल निकायों का निर्माण, चेकडैमों का पुनरुद्धार, आर्द्रभूमि तथा नदियों का कायाकल्प करके वर्षा जल का संचय करना है। प्रत्येक जनपद के जिलाधिकारी से यह भी अपेक्षा है कि जल संचयन के क्षेत्र मे कार्य कर रहे विभागों यथा ग्राम्य विकास विभाग, वन संरक्षण, पर्यावरण, वन एवम् जलवायु परिवर्तन विभाग, सिंचाई एवम् जल संसाधन विभाग, कृषि विभाग, उद्यान एवम् खाद्य प्रसंस्करण विभाग, पंचायती राज विभाग, उत्तर प्रदेश जल निगम, पेयजल एवम् स्वच्छता मिशन तथा लघु सिंचाई विभाग को अपने स्तर से निर्देशित करते हुए इस अभियान को अपने-अपने जनपद मे सफल बनाये।

4- जैसाकि आप अवगत है कि उत्तर प्रदेश मे भूगर्भ जल सम्पदा के महत्व के प्रति जन-जागरूकता सृजित करने के उद्देश्य से वर्ष 2012 से प्रत्येक वर्ष दिनांक 16 से 22 जुलाई के मध्य "भूजल सप्ताह" का निरन्तर आयोजन किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में पूर्व में शासनादेश संख्या-732/62-1-2012-830/98, दिनांक 05 जून, 2012 के द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में भूजल जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के उद्देश्य से निम्नानुसार निर्देश दिये गये हैं तथा प्रत्येक वर्ष दिए जाते रहे है। वर्ष 2025 मे भूजल सप्ताह की सफलता हेतु आपसे निम्नवत् अपेक्षाएं हैः-

(अ) वर्तमान में भूगर्भ जल विभाग, उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय कार्यालय मण्डल स्तर पर ही स्थापित है, जबकि "भूजल सप्ताह" का आयोजन पूरे प्रदेश में किया जाना है। इसके दृष्टिगत जनपद स्तर पर अवस्थित लघु सिंचाई विभाग के सहायक अभियन्ता इस आयोजन के जनपदीय नोडल अधिकारी एवम् मण्डल स्तर पर भूगर्भ जल विभाग के सम्बन्धित अधिकारी, मण्डलीय नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

(ब) बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, उच्चतर शिक्षा विभाग, प्राविधिक शिक्षा विभाग एवं अन्य राजकीय शिक्षण संस्थाएं इस आयोजन हेतु अपने नियंत्रणाधीन स्कूल-कालेजों, विश्वविद्यालयों व शैक्षिक संस्थानों को आवश्यक दिशा-निर्देश निर्गत करेंगे और उक्त आयोजन का अनुश्रवण करेंगे।

(स) शहरी क्षेत्रों में आवास एवम् शहरी नियोजन विभाग अपने अधीनस्थ प्राधिकरणों, उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद आदि के माध्यम से इस आयोजन की अवधि में व्यापक प्रचार-प्रसार एवम् जन-जागरूकता हेतु पोस्टर्स, बैनर्स, होर्डिंग्स आदि का प्रदर्शन करायेगें।

(द) जन सामान्य की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित कराये जाने के उद्देश्य से केन्द्रीय संस्थानों/प्रतिष्ठानों, गैर सरकारी संगठनों एवम् स्वयं सेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों का भी यथा सम्भव सक्रिय सहयोग प्राप्त किया जाये। विशेष रूप से कृषि विज्ञान केन्द्र, जिला विज्ञान क्लब, पर्यावरण शिक्षा केन्द्र, शिक्षामित्र, आंगनबाडी केन्द्र, जल उपभोक्ता समितियाँ, रेजीडेन्ट वेलफेयर सोसाइटी, भारतीय उद्योग परिसंघ, इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन, औद्योगिक प्रतिष्ठान, इण्डियन आर्कीटेक्ट एसोसिएशन, बिल्डर्स एसोसिएशन, इन्सटीट्यूशन आफ इंजीनियर्स, युवा मंगल दल, नेहरू युवा केन्द्र जैसे संगठनों को भी इस आयोजन से जोड़ने का प्रयास किया जाये तथा इस आयोजन को प्रभावी ढ़ंग से सफल बनाये जाने हेतु शीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए कृत कार्यवाही से शासन को भी अवगत कराया जाए।

5- मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारियों की इस कार्यक्रम के सफलता पूर्वक आयोजन में विशेष भूमिका है। जनपद स्तर पर पूरे सप्ताह मनाये जाने वाले इस आयोजन का क्रियान्वयन इस प्रकार सुनिश्चित किया जाये कि भूजल संरक्षण का संदेश आम जनता तक पहुँचे और वह इसके प्रति संवेदनशील बन सके। समस्त जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि जनपद स्तर पर चूँकि भूगर्भ जल विभाग के अधिकारी तैनात नहीं हैं, अतएव जनपद स्तर पर स्थापित सम्बन्धित विभागों यथा-कृषि, सिंचाई, लघु सिंचाई, विकास प्राधिकरण, नगर निगम/नगर पालिका, आवास, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, उ0प्र0 जल निगम, लोक निर्माण, उद्यान, शिक्षा विभाग आदि के अधिकारियों की एक टीम बनाकर इस कार्यक्रम का सफल आयोजन कराया जाये। आयोजन की व्यापक सफलता के लिए गैर सरकारी संगठनों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, अर्द्धशासकीय संगठनों, बिल्डर्स, जल उपभोक्ता समितियों, पानी पंचायत आदि का भी यथा सम्भव सहयोग लिया जाये।

6- इस वर्ष भूजल सप्ताह के आयोजन का मुख्य विषय बिन्दु "जल सुरक्षित तो कल सुरक्षित" रखा गया है, जिस पर उक्त आयोजन केन्द्रित रहेगा।

7- कृपया उपरोक्त के सम्बन्ध में निर्देश दिये जाते हैं कि दिनांक 16 से 22 जुलाई 2025 के मध्य सम्पूर्ण प्रदेश में उपरोक्तानुसार भूजल सप्ताह का आयोजन प्रभावी ढंग से सुनिश्चित कराया जाये।

भवदीय,

Digitally signed by M[illegible]AR SINGH
Date: [illegible]-07-2025
15:37:06

संख्या:-647/76-3-2025/तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:

1- निजी सचिव, मा0 मंत्री जी, जल शक्ति विभाग, उत्तर प्रदेश।
2- स्टाफ आफीसर, मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन।
3- स्टाफ आफीसर, कृषि उत्पादन आयुक्त, उत्तर प्रदेश शासन।
4- स्टाफ आफीसर, औद्योगिक विकास आयुक्त, उत्तर प्रदेश शासन।
5- उपाध्यक्ष, समस्त विकास प्राधिकरण।
6- आयुक्त, समस्त नगर निगम।
7- निदेशक, भूगर्भ जल विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

आज्ञा से,

अनुराग श्रीवास्तव
अपर मुख्य सचिव।

पृ0सं0: क्षे0 उ0 शि0/ सूचना/ 1170/ 2025-26 दिनांक: 10-07-2025

प्रतिलिपि: कुलसचिव, दी0 द0 उ0 गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर तथा समस्त प्राचार्य/प्राचार्या राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त महा0 एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालय जनपद-गोरखपुर को इस आशय के प्रेषित की उपरोक्तानुसार पत्र में दिये गए निर्देश के क्रम में आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी
गोरखपुर

Dina Nath Yadeo <registrar@suksn.edu.in>

भूजल सप्ताह का आयोजन के सम्बन्ध में

1 message

regional higher education <rheogkp@gmail.com> Fri, Jul 18, 2025 at 1:29 PM
To: regional higher education <rheogkp@gmail.com>, registrarddugu <registrarddugu@gmail.com>, registrar@suksn.edu.in

Sir,

Please find the attachment..

With Regards;

Zonal Higher Education Officer, Gorakhpur, Uttar Pradesh

3 attachments

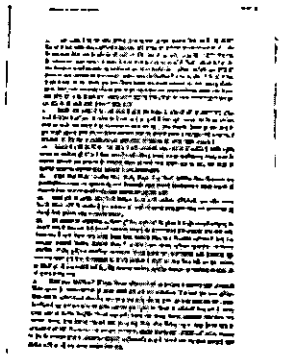

भूजल सप्ताह का आयोजन के सम्बन्ध में_2.jpg
285K

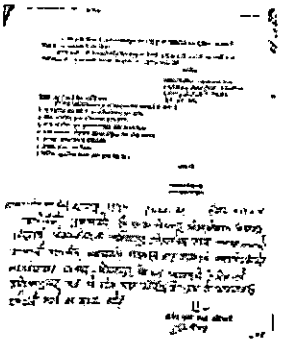

भूजल सप्ताह का आयोजन के सम्बन्ध में_3.jpg
141K